an>

Title : Utilisation of sugarcane stubble for production of energy-Laid

श्री श्रीनिवास दादासाहेब पाटिल (सतारा): पृथ्वी के पर्यावरण संवर्धन की दृष्टि से भविष्य में पेट्रोल, डीजल और कोयले की बजाय renewable or biomass उर्जा के स्त्रोत बहुत महत्वपूर्ण होते जा रहे है. इसमें कोई दो राय नहीं है ।

भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राष्ट्र है. भारत में महाराष्ट्र सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य है और महाराष्ट्र में सातारा जिला और समस्त पश्चिम महाराष्ट्र विभाग Sugar Belt के रूप में जाना जाता है ।

हर साल अक्तूबर से मई तक गन्ना कटके sugar factory जाने के बाद लाखों टन biowaste खेतों में रह जाता है जिसे जलाने के अलावा किसान के पास और कोई विकल्प नहीं होता । यदि इस लाखों टन bio-waste को जमा करने, उसकी गाठे बांधकर, उसके transport की व्यवस्था की जाये तो यह हमारी उर्जा का उत्तम स्त्रोत बन सकता है. ऐसा करने से ना केवल प्रदूषण स्तर कम होने में मदद होगी बल्कि किसानों को भी अधिक आमदनी हो सकती है ।

मेरी नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से विनती है कि गन्ना किसानों के लिये इस संबंध में कोई व्यवस्था और सब्सिडी का प्रावधान किया जाये।